एक तमन्ना दादी मेरी | By Mukesh Goel

एक तमन्ना दादी मेरी
दिल में बसा लू सूरत तेरी
हर पल उसी को निहारा करू मैं
जय दादी की जय दादी की उच्चारा करू मैं

रोज़ सवेरे उठ कर दादी तुझको शीश नवाऊँ मैं
प्रेम भाव से भांति भांति के नित श्रृंगार सजाऊँ मैं
हाथों से आरती उतारा करू मैं
जय दादी की जय दादी की उच्चारा करू मैं

तन मन से जो काम करू मैं सब कुछ तेरे अर्पण हो
खाऊं जो प्रसाद हो तेरा पियूं तो चरणामृत हो
चरणों में तेरे गुज़ारा करू मैं
जय दादी की जय दादी की उच्चारा करू मैं

बिन्नू की विनती ये दादी इतनी कृपा कर देना
चरणों की सेवा मिल जाये इससे बढ़ कर क्या लेना
असुवन से इनको पखारा करू मैं
जय दादी की जय दादी की उच्चारा करू मैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a4%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-mukesh-goel/